

प्रेषक,

आलोक कुमार,  
अपर सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
उद्योग,  
उद्योग निदेशालय,  
उत्तरांचल, देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग

देहरादून : दिनांक: 17 नवम्बर, 2004

विषय: वित्तीय वर्ष 2004–05 हेतु व्यक्तिगत उद्यमियों को ब्याज उपादान की जिला-योजना में धनराशि स्वीकृत किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 1975/बजट-08/माँग/2004-05, दिनांक: 18.09.2004 के संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2004-05 हेतु उद्योग निदेशालय के आयोजनागत पक्ष के अन्तर्गत "व्यक्तिगत उद्यमियों को ब्याज उपादान योजना" में ₹0 39,83,000.00 (₹0 उन्तालीस लाख तिरासी हजार मात्र) की धनराशि संलग्न विवरणानुसार व्यय किये जाने हेतु निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

उक्त धनराशि आपके निर्वतन पर इस आशय से रखी जा रही है कि व्यय उन्ही मदो में किया जाय जिसमें धनराशि स्वीकृत की जा रही है। व्यय में मितव्ययता नितांत आवश्यक है तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिससे व्यय करने पर बजट मैनुअल अथवा वित्तीय हस्तपुरितका के नियमों का उल्लंघन होता हो।

स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक: 31.03.2005 तक उपयोग कर लिया जायेगा। वर्षान्त तक स्वीकृत धनराशि के विपरीत जनपदवार व्यय विवरण एवं वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण उत्तरांचल शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। व्यय के पश्चात् यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे दिनांक: 31.03.2005 तक शासन को समर्पित किया जायेगा।

उक्त मद में व्यय वित्त विभाग द्वारा निर्गत शासनादेश में इंगित अनुपात में आने वाले केवल अपने अधिष्ठान के कार्मिकों को शासन द्वारा अनुमोदित दरों पर ही दिया

जायेगा। शासनादेश की शर्तों का अनुपालन न करने का समस्त दायित्व विभागाध्यक्ष एवं संबंधित आहरण एवं वितरण अधिकारी का ही माना जायेगा।

एस०सी०पी०/टी०एस०पी० एवं सामान्य सैक्टर की योजनाओं में नियोजन विभाग/जि०नि० एवं अनुश्रवण समिति के द्वारा परिव्यय/मात्राकरण के अनुरूप ही व्यय समिति द्वारा अनुमोदित योजनाओं पर ही किया जायेगा। अनुमोदित योजनाओं में इतर धनराशि का व्यय नहीं किया जायेगा।

उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 हेतु अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीषक, 2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनागत, 105-खादी ग्रामोद्योग, में संलग्नक विवरण, के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 1713/वि०अनु०-३/2004, दिनांक: 9 नवम्बर-2004 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किया जा रहे हैं।

भवदीय

(

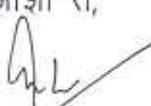
(आलोक कुमार )  
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 2301(1)/सात/176-उद्योग/2004, तददिनांकित :-

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1— महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2— श्री एल०एम० पंत, अपर सचिव, वित्त बजट, उत्तरांचल शासन।
- 3— वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4— संयुक्त निदेशक, उद्योग निदेशालय, देहरादून।
- 5— निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी।
- 6— वित्त अनुभाग-३
- 7— निदेशक, एन०आई०सी०, उत्तरांचल शासन, देहरादून।
- 7— गार्ड फाईल।

आङ्गा से,

(  
आलोक कुमार)  
अपर सचिव।

शासनादेश सं: 2301(1) / औवि० / 176-उद्योग / 2004, दि०: नवम्बर-2004 का  
संलग्नक:- (घनराशि लाख मे)

अनुदान संख्या-23

1-लेखाशीर्षक-2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग

00-आयोजनागत

105-खादी ग्रामोद्योग

02-अनुसूचित जाति/जनजाति कम्पोनेण्ट के  
अन्तर्गत जिला योजना

03-व्यक्तिगत उद्यमियों को व्याज उपादान-00

20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता-

9.83

2- लेखाशीर्षक-2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग

00-आयोजनागत

105-खादी ग्रामोद्योग

91-जिला योजना

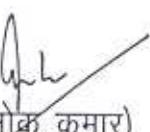
9101-बैंक वित्त व्याज उपादान स्वतः रोजगार जिला योजना

20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता-

30.00

कुल योग- 39.83

(रु० उन्तालीस लाख तिरासी हजार मात्र)

  
(आलोक कुमार)  
अपर सचिव।